पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कार्य-निष्पादन समीक्षा - दिनांक 30 जून 2020 को समाप्त तिमाही

पीएफसी ने दिनांक 13 अगस्त 2020 को दिनांक 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम की उद्घोषणा की। तिमाही1'21 के लिए कार्य-निष्पादन विशेषताओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क) वित्तीय कार्य-निष्पादन – तिमाही1'21

1) समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन

- तिमाही1'20 से कर पश्चात समेकित लाभ में 23% की वृद्धि - तिमाही'21 के लिए 3,557 करोड़ रुपए पर कर पश्चात लाभ
- तिमाही1'20 से परिचालनों से समेकित राजस्व में 16% की वृद्धि - तिमाही'21 के लिए 16,914 करोड़ रुपए पर समेकित राजस्व
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण तिमाही1'20 में 4.20% से तिमाही1'21 में 3.15% की समेकित निवल एनपीए अनुपात में कमी।
- भावी वृद्धि के समर्थन हेतु सुविधाजनक पूंजी स्तर - दिनांक 30.06.2020 तक 16.48% पर समेकित सीआरएआर
- दिनांक 30.06.2020 तक 6,84,383 करोड़ रुपए की समेकित ऋण परिसंपत्ति बुक

2) एकल वित्तीय कार्य-निष्पादन

- तिमाही1'20 से कर पश्चात एकल लाभ में 23% की वृद्धि - तिमाही'21 के लिए 1,700 करोड़ रुपए पर कर पश्चात लाभ
- तिमाही1'20 से ब्याज आय में 16% की वृद्धि - तिमाही'21 के लिए 8,749 करोड़ रुपए पर ब्याज आय
- चुनौतीपूर्ण परिचालनगत वातावरण में भी, प्रमुख वित्तीय संकेतक स्थिर सीमा के भीतर बने हुए हैं:
  - तिमाही1'21 के लिए अर्जक परिसंपत्तियों पर आय 10.68% पर बना हुआ है।
  - तिमाही1'21 के लिए निधियों की लागत 7.68% पर है - तिमाही1'20 से 22 बीपीएस की कमी दर्ज की गई।
  - तिमाही1'20 में 2.71% की तुलना में तिमाही1'21 के लिए स्प्रैड तिमाही1'21 में 3% तक पहुंच गया।
  - तिमाही1'20 में 3.06% की तुलना में तिमाही1'21 के लिए अर्जक परिसंपत्तियों पर एनआईएम तिमाही1'21 में 3.48% तक पहुंच गया।
- मुख्यतः लाभ जोड़ के कारण तिमाही4'20 से सीआरएआर में 36 बीपीएस तक का सुधार हुआ। 13.11% की टायर I पूंजी और 4.21% की टायर II पूंजी के साथ दिनांक 30.06.2020 तक सीआरएआर 17.32% रहा।

चुनौतीपूर्ण परिचालनगत वातावरण में तिमाही1'21 के लिए लचीला वित्तीय कार्य-निष्पादन किया।

ख) परिसंपत्ति गुणवत्ता

1) परिसंपत्ति गुणवत्ता मिक्स

- दिनांक 30.06.2020 तक, पीएफसी की कुल ऋण परिसंपत्ति बही 3,53,595 करोड़ रुपए है, जिसमें से:
  - 83% सरकारी क्षेत्र और 17% निजी क्षेत्र में है
  - 3,22,336 करोड़ रुपए चरण I, 4,725 करोड़ रुपए चरण II और 26,535 करोड़ रुपए चरण III में हैं।

2) समाधान हेतु किए गए सतत प्रयास परिणाम दे रहे हैं - 1,353 करोड़ रुपए की 2 दबावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों का समाधान किया गया एवं अपग्रेड किया गया

- कोविड लॉकडाउन के पश्चात, पीएफसी ने 2 दबावग्रस्त परिसंपत्तियों अर्थात 438 करोड़ रुपए के एस्सार पावर ट्रांसमिशन के ऋण और 915 करोड़ रुपए के सुजलोन एनर्जी के ऋण का सफलतापूर्वक समाधान किया एवं अपग्रेड किया। इन परियोजनाओं के लिए उपयुक्त प्रावधान उपलब्ध था।

3) एनपीए स्तरों में सुधार

- समाधान के कारण, दिनांक 30.06.2020 तक निवल एनपीए 3.41% पर है, जो पिछले 4 वर्ष में न्यूनतम है।
- सकल एनपीए अनुपात में तिमाही1'20 से 211 बीपीएस की भारी कमी देखी गई। तिमाही1'20 में 9.61% की तुलना में वर्तमान जीएनपीए अनुपात 7.50% पर है।
- समाधान के बाद, अब कुल एनपीए परिसंपत्तियां (चरण III परिसंपत्तियां) 26,535 करोड़ रुपए पर रही।

4) समाधान स्थिति का अद्यतन

- वर्तमान में, 26,535 करोड़ रुपए की 27 परियोजनाएं चरण III में हैं। इनमें से 16,162 करोड़ रुपए की 17 परियोजनाओं का एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है और 10,372 करोड़ रुपए की बाकी 10 परियोजनाओं का एनसीएलटी से बाहर समाधान किया जा रहा है।

- इन परिसंपत्तियों पर 55% का उपयुक्त प्रावधान स्तर

लॉकडाउन पश्चात सकारात्मक समाधान आउटकम भविष्य में दबावग्रस्त ऋण परिसंपत्तियों के समाधान के लिए आशा का सृजन करता है

ग) कोविड अद्यतन

1) डिस्कॉम क्रेडिट पैकेज के अंतर्गत पीएफसी के ऋण की स्थिति

- भारत सरकार के आदेशानुसार, आत्म-निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा उद्घोषित 90,000 करोड़ रुपए के डिस्कॉम क्रेडिट पैकेज के लिए पीएफसी एवं आरईसी सह-निधियन भागीदार हैं।

- वर्तमान में, 45,000 करोड़ रुपए के पीएफसी के ऋण भाग में से पीएफसी ने 30,000 करोड़ रुपए से अधिक को संस्वीकृत कर दिया है, जिसे ट्रांच I एवं ट्रांच II के अंतर्गत बराबर संवितरित किया जाना है। ट्रांच I में, अब तक 8,500 करोड़ रुपए से अधिक को संवितरित किया जा चुका है। बाकी संस्वीकृति/संवितरण के लिए, राज्य औपचारिकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया में हैं।

2) लिक्विडिटी स्थिति

- लिक्विडिटी के दृष्टिकोण पर, चुनौतीपूर्ण बाजार के बावजूद, पीएफसी अपनी उच्च ऋण योग्यता और ऋणदाताओं के साथ सुस्थापित संबंधों के कारण बाजार से सक्रिय रूप से ऋण लेने में सक्षम है।
- केवल तिमाही1'21 में, पीएफसी ने लगभग 33,000 करोड़ रुपए घरेलू बाज़ार से जुटाए हैं। इसमें से 85% अर्जन या तो बॉण्ड या दीर्घावधि ऋणों जैसे दीर्घावधि इंस्ट्रूमेंटों के माध्यम से किया गया है और शेष अर्जन वाणिज्यिक पेपरों के माध्यम से है। यह पीएफसी की एएलएम प्रोफाइल को प्रबंधित करने में मदद करेगा।

- इसके अतिरिक्त, पीएफसी के पास बैंक से लगभग 9,200 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट उपलब्ध है।

- हम मानते हैं कि पीएफसी भविष्य में भी उपयुक्त लिक्विडिटी अनुरक्षित करता रहेगा।

3) अधिस्थगन

आरबीआई दिशा-निर्देशों के अनुसार, मार्च से जून के बीच देय 11,497 करोड़ रुपए की राशि पर वर्तमान में अधिस्थगन प्रदान किया गया है अर्थात पीएफसी द्वारा प्राप्य देय राशि के लगभग 70% पर।

सुदृढ़ बुनियादी तथ्यों के साथ, पीएफसी आसानी से कोविड परिस्थिति के माध्यम से नेविगेट करने में सक्षम है। हालांकि, कोविड-19 महामारी की स्थिति को देखते हुए, पीएफसी पर प्रभाव भविष्य के घटनाक्रमों पर निर्भर रहना जारी रहेगा, जो कोविड-19 स्थिति विकसित होते ही स्पष्ट हो जाएगा।

घ) भावी परिदृश्य

जैसे-जैसे कोविड-19 स्थिति लगातार विकसित हो रही है, स्थिति स्पष्ट होने के साथ ही एक स्पष्ट रास्ता सामने आएगा। हालांकि, वर्तमान में:

- पीएफसी का ध्यान टी एंड डी और नवीकरणीय बिजनेस तथा डिस्कॉम क्रेडिट पैकेज के अंतर्गत ऋण देने पर रहेगा।
- ऋण परिसंपत्ति वृद्धि पिछले वर्ष की तरह समान स्तर पर रहने की संभावना है।
- पीएफसी एफ़जीडी स्पेस और पुनर्वित्तपोषण बिजनेस में बिजनेस अवसर की परिकल्पना कर रहा है।

***